यूपी विधानसभा में पहली बार आर्थिक समीक्षा पेश...वित्तीय वर्ष 2025-26 में आर्थिक प्रगति का अनुमान

36 लाख करोड़ की होगी अर्थव्यवस्था

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन सोमवार को पहली बार प्रदेश की आर्थिक समीक्षा पेश की गई। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आर्थिक समीक्षा प्रस्तुत करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने बीते आठ वर्षों में ऐतिहासिक विस्तार किया है।

वर्ष 2016–17 में 13.30 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था, वर्ष 2024–25 में बढ़कर 30 लाख करोड़ पार कर चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में 36 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

वित्त मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पहली बार आर्थिक समीक्षा सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है। एक समय निवेशकों की प्राथमिकता सूची में न रहने वाला प्रदेश अब औद्योगिक निवेश का प्रमुख केंद्र बन गया है। ट्रिपल एस - सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की गारंटी के चलते प्रदेश को अब तक 50 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में प्रदेश का योगदान वर्ष 2016–17 के 8.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2024–25 में 9.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

बजट सत्र से पहले विधानभवन में पत्रकारों को आर्थिक समीक्षा के बारे जानकारी देते सीएम योगी व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। -अमर उजाला

आठ साल में दोगुने से ज्यादा बढ़ी अर्थव्यवस्था

30 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा पहुंची

सालाना 120000 रुपये होगी प्रति व्यक्ति आय

- स्वतंत्रता के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय में गिरावट थमी है। वर्ष 2016-17 में प्रति व्यक्ति आय 54,564 रुपये थी। यह वर्ष 2024-25 में बढ़कर 109844 रुपये हो गई है।
- वित्तीय वर्ष 2025–26 में 120000 रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। वर्ष 2014-15 में यह राष्ट्रीय औसत का केवल 50.2 फीसदी रह गई थी, जबकि 2024-25 में अनुपात बढ़कर 53.5 फीसदी हो गया।

>> औद्योगिक गलियारों ने प्रदेश में बनाया औद्योगिक माहौल : विशेष पेज 4

कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में दिखा संतुलित विकास

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2024–25 में प्रदेश की जीएसडीपी (राज्य सकल घरेलू उत्पाद) में कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों की हिस्सेदारी 25.8 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र की 27.2 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र की 47 प्रतिशत रही है। यह दर्शाता है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था अब केवल कृषि आधारित न रहकर बहुक्षेत्रीय हो गई है।

- प्रदेश का बजट आकार वर्ष 2016–17 में 3.47 लाख करोड़ था, जो वर्ष 2025–26 में 8.33 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। 2008-09 से 2016-17 (8 वर्ष) के बीच यह वृद्धि मात्र 2.34 लाख करोड़ थी।

पूंजीगत व्यय से विकास को गति

सार्वजनिक निवेश के लिए पूंजीगत व्यय में दो गुने से अधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2016–17 में पूंजीगत व्यय 69.79 हजार करोड़ था, जो वर्ष 2024–25 में बढ़कर 147.72 हजार करोड़ हो गया। समीक्षा में प्रदेश की राजकोषीय स्थिति को अनुशासित बताया है।

- सार्वजनिक ऋण से जीसडीपी अनुपात वर्ष 2016–17 के 29.3 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2024–25 में 28.0 प्रतिशत हो गया है, जो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। प्रदेश का अपना कर राजस्व वर्ष 2016–17 में 86 हजार करोड़ था। यह 2024–25 में लगभग ढाई गुना बढ़कर 2.09 लाख करोड़ तक पहुंच गया है।